गैंगस्टर रोहित गोदारा ने भाजपा नेता से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

फोनकर्ता ने 7 दिन में रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । गैंगस्टर रोहित गोदारा द्वारा भाजपा नेता से 5 करोड़ रु. की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। फोनकर्ता ने वॉट्सऐप कॉल कर खुद को रोहित गोदारा बताते हुए 7 दिन में पांच करोड़ रुपये देने की डिमांड रखी। उसने धमकी दी है कि अगर 7 दिन में पैसे नहीं दिए तो जान से मार देगा। गोदारा ने कहा कि पुलिस को भी रिकॉर्डिंग सुना देना, वो भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी। इस पर पीडित ने शिवदासपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि शिवदासपुरा निवासी 36 वर्षीय भाजपा नेता ने मामला दर्ज करवाया कि भारतीय जनता पार्टी में पदाधिकारी होने के साथ उनका बिजनेस भी है। गुरुवार को वह ऑफिस में बैठकर काम कर रहे थे। इस दौरान दोपहर उसके मोबाइल पर इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने धमकाते हुए खुद का नाम लॉरेंस गैंग का गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया। बदमाश ने धमकी देकर कहा कि मैं जानता हूं कि तू कितना बड़ा बिजनेसमैन है। अगर 7 दिन में 5 करोड़ रुपए नहीं दिए तो तू चाहे कहीं भी छुप जाना, तुझे हमसे कोई भी नहीं बचा सकता। बदमाश ने कहा कि पुलिस को भी यह रिकॉर्डिंग सुना देना। पुलिस भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी। तेरे पास 7 दिन का समय है। पुलिस इंटरनेशनल मोबाइल नंबर के आधार पर धमकी देने वाले के बारे में पता लगाने के प्रयास कर रही है।

> ■ गोदारा ने कहा कि ''पुलिस को भी रिकॉर्डिंग सुना देना, वो भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी।''

ज्ञात रहे कि कुछ दिन पहले गैंगस्टर रोहित गोदारा ने जयपुर के बिजनेसमैन से भी 37 लाख रुपए मांगे थे। बिजनेसमैन को वॉट्सऐप कॉल कर जान से मारने की धमकी देकर रुपयों की डिमांड की थी। इसके साथ ही अजमेर जेल में बंद गोगामेड़ी के हत्यारे ने भी बिजनेसमैन को कॉल कर धमकाया। पीड़ित बिजनेसमैन ने 14 अप्रैल को वैशाली नगर थाने में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया था। बिजनेसमैन को सबसे पहले 29 फरवरी को वॉट्सऐप नंबर पर इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से कॉल आया। 11 मार्च को दोबारा इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया। इसके बाद 16 मार्च और 6 अप्रैल को धमकी देकर रुपयों की मांग की गई। 12 अप्रैल को दलीप सिंह अपने साथी के साथ ऑफिस आ गया और धमकी देकर गया।

12वीं कक्षा की छात्रा से सहपाठी ने की छेड़छाड़

जयपुर (कासं)। कालवाड थाना इलाके में 12वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि कालवाड़ निवासी 17 साल की लड़की ने मामला दर्ज करवाया कि वह 12वीं क्लास में पढ़ती है। उसके क्लासमेट ने सुभाष वर्मा से उसकी बातचीत करवाई थी। दोस्ती होने पर पिछले तीन-चार महीने से दोनों मोबाइल पर बातचीत करते रहे। आरोप है कि मोबाइल चैट को लेकर सुभाष उसे ब्लैकमेल कर मिलने के लिए दबाव बनाने लगा। गत 15 अप्रैल को चैट डिलीट करने की कहकर उसे मिलने के लिए खेत में बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की। जबरदस्ती करने का विरोध कर शोर मचाने पर परिजनों को आता देखकर आरोपी भाग निकला। कालवाड़ थाने में नाबालिग पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में पड़ा मिला सी.आई.डी. सब इंस्पेक्टर का शव

पिछले 2 दिनों से तबीयत खराब थी, खाना बनाने घर पहुंची नौकरानी को बाथरूम में गिरे दिखे

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा में तैनात सब इंस्पेक्टर का शव कालवाड़ स्थित उनके खुद के घर में पड़ा मिला। जानकारी में सामने आया है कि मकान अंदर से लॉक था और नौकरानी ने खिड़की से झांक कर देखा तो एसआई बाथरूम में नग्न हालत में गिरे दिखाई दिए, इस पर उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

पुलिस ने बताया कि राजस्थान पुलिस में एसआई धर्मेंद्र यादव (50) की उनके ही घर में लाश मिली है। वह कालवाड़ इलाके स्थित सुशांत सिटी में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। एसआई धर्मेंद्र यादव पुलिस, मुख्यालय की सीआईडी शाखा में तैनात थे। पिछले दो दिनों से उनकी तबीयत खराब थी और उनकी पत्नी और बच्चे घर में शादी होने के कारण बीकानेर गए हुए थे। शुक्रवार को घर पर खाना बनाने के लिए नौकरानी आई। डोर बेल बजाने के बाद भी एसआई धर्मेंद्र यादव ने गेट नहीं खोला। कुछ देर रुकने के बाद नौकरानी दूसरी जगह अपने काम पर चली गई। रात साढ़े 7 बजे खाना बनाने के लिए नौकरानी दोबारा घर आई। काफी देर तक डोर बेल बजाने और आवाज लगाने के बाद भी एसआई धर्मेंद्र ने गेट नहीं खोला। इस पर नौकरानी ने खिड़की से अंदर झांक कर देखा तो धर्मेंद्र बाथ रूम की जमीन पर गिरे दिखाई दिए। अनहोनी की आशंका के चलते नौकरानी ने शोर मचाकर पडौसियों को इकट्ठा किया। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और धक्का मारकर गेट खोल कर अंदर पहुंची। बाथ रूम में धर्मेंद्र का शव नग्न हालत में पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने एफएसएल को बुलाकर सबूत जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कांवटिया अस्पताल भिजवाया। जहां शनिवार को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया। पुलिस इस मामले की जांच करने में जुटी है।

घुमन्तु बस्तियों में बहने लगी बदलाव की बयार

जयपुर (कासं)। राजस्थान में खासकर जयपुर जिले में घुमंतू जाति उत्थान न्यास घुमन्तु समाज के सर्वांगीण विकास में जुटा है। कुछ माह अस्तित्व में आए न्यास ने अनेक परोपकारी गतिविधियां संचालिज कर घुमन्तु समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है।

घुमंतू जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि न्यास ने राजस्थान की राजधानी की नौ घुमंतु बस्तियों में पुजारी नियुक्त कर रखे हैं। जो बस्ती के पूजा स्थल पर सुबह-शाम आरती करते हैं। इन सबको पूजन सामग्री न्यास की ओर से उपलब्ध करवाई जाती है। जयपुर की 14 बस्तियों में आरोग्य मित्र नियुक्त किए हुए हैं। ये आरोग्य मित्र छोटी-मोटी बीमारियों की दवा उपलब्ध करवाते हैं तथा गंभीर बीमारी पर विशेषज्ञ चिकित्सों से संपर्क करवाते हैं। अपनी बस्ती अपना हवन योजना के अंतर्गत 12 बस्तियों में गायत्री परिवार के माध्यम से हवन करवाया जा चुका है। 108 बस्तियों में हवन करवाने का लक्ष्य है। तेरह बस्तियों में चिकित्सा शिविर लगाए जा चुके हैं। लाभान्वित संख्या 3300 है। बारह बस्तियों में बाल संस्कार केन्द्र खोल रखे हैं। बच्चों को संस्कारित करने के लिए अनेक रूचिकर गतिविधियां करवाई जाती है। दो बस्तियों में दो सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र भी खोल रखे हैं। बस्तियों की महिलाएं का सिलाई का प्रशिक्षण लेकर आत्म निर्भर बन रही है। न्यास का एक छात्रावास भी संचालित है।

नशे के लिए अनजान युवक की हत्या करने वाला शातिर बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

एम.आई. रोड पर आकाशवाणी के सामने खाली प्लॉट में युवक का शव मिलने के मामले का विधायकपुरी थाना पुलिस ने खुलासा किया

जयपुर । विधायकपुरी इलाके में आकाशवाणी के सामने खाली प्लॉट में शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है और शनिवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशे के पैसों के लिए युवक की हत्या की थी।

आरोपी नशे का आदी है और जयपुर में ट्रांसपोर्ट नगर, नारायण सिंह सर्किल, सिंधी कैंप के आसपास खानाबदोश का जीवन जीता है। आरोपी ने हत्या के बाद पकड़े जाने के डर से अपना हुलिया बदल लिया था। बदमाश ने अपने लंबे बाल और दाढ़ी को कटवा कर क्लीन शेव हो गया था।

> ■ पुलिस ने करीब 500 से ज्यादा सी.सी.टी.वी. फुटेज खंगालकर हत्यारे को गिरफ्तार किया
>
> ■ पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने खुद के लंबे बाल और दाढ़ी कटवाकर हुलिया बदल लिया था

डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि 17 अप्रैल को विधायकपुरी इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मौके के हालात देखकर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। मृतक की पहचान सुरेश कुमार गुर्जर निवासी सवाई माधोपुर के रूप में हुई।

पुलिस ने घटना के बाद करीब 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी और मृतक का रूट चार्ट बनाकर संभावित रास्तों पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंच गई।

विधायकपुरी थाना पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी कृपाल सिंह गुर्जर उर्फ शिवा (26) पुत्र रमेशचन्द गुर्जर निवासी गांव लादिया नीचला पोस्ट, थाना रैणी जिला अलवर को गिरफ्तार किया, जो ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया, नारायण सिंह सर्किल और टोंक फाटक पर सड़कों पर रहता है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह नशे के लिए सिंधी कैंप की तरफ गया था, जहां उसे मृतक सुरेश कुमार गुर्जर मिला। उसने सुरेश से नशे के लिए रुपए मांगे, लेकिन सुरेश ने मना कर दिया। इस पर उसे गुस्सा आया और उसकी हत्या का प्लान बनाया। वह सुरेश को सिंधी कैंप से अपने साथ आकाशवाणी के पास ले गया और उसी के गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसके जूते और अन्य सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस के डर से उसने अपना हुलिया बदल लिया, लेकिन पुलिस ने उसे ट्रैक कर लिया।

इस मर्डर के खुलासे और हत्यारे को पकड़ने में जयपुर दक्षिण तकनीकी शाखा के हैड कांस्टेबल लोकेश कुमार और विधायकपुरी थाने के कांस्टेबल मुकेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

चौथ का व्रत रखकर की अखंड सौभाग्य की कामना

जयपुर । वैशाख कृष्ण पक्ष की चतुर्थी शनिवार को विकट चतुर्थी के रूप में मनाई गई। अखंड सुख-सौभाग्य की कामना के साथ महिलाओं ने भगवान गणेशजी के विकट रूप की पूजा की। सूर्योदय से पहले उठकर महिलाओं ने पूजा स्थान पर भगवान गणेश, शिवजी और देवी पार्वती की स्थापना की। व्रत रखने का संकल्प लेकर पूजा की। जल, पंचामृत, चंदन, अक्षत, फूल, दूर्वा और अन्य सामग्रियों से पूजा कर आरती उतारी। रात में चंद्रमा के दर्शन कर के अघ्र्य दिया। चंद्रोदय रात्रि करीब साढ़े दस बजे हुआ।

धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु ने जलंधर नाम के राक्षस के विनाश के लिए उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग किया। उससे एक दैत्य उत्पन्न हुआ, उसका नाम था कामासुर। कामासुर ने शिव की आराधना करके त्रिलोक विजय का वरदान पा लिया। इसके बाद उसने अन्य दैत्यों की तरह ही देवताओं पर अत्याचार करने शुरू कर दिए। देवताओं ने भगवान गणेश का ध्यान किया। तब भगवान गणपति ने विकट रूप में अवतार लिया। इस रूप में भगवान मोर पर विराजित होकर अवतरित हुए। उन्होंने देवताओं को अभय वरदान देकर कामासुर को हराया।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा के अनुसार भविष्य पुराण के अनुसार चतुर्थी की पूजा और व्रत करने से हर तरह के कष्ट दूर हो जाते हैं। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चंद्रमा को अर्घ्य देने से संतान सुख मिलता है। इसके साथ ही शारीरिक परेशानियां भी दूर हो जाती है।

सार-समाचार

सैंडी स्ट्राइकर, सवाई चैंप्स, स्पॉटी डोक और आर.जे.13 क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जयपुर, (का.सं.)। मेडिकोज सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में अक्षत चतुर्थ संस्करण डॉक्टर प्रीमियर टेनिस में सीनियर टीम वर्ग में रोमांचक मुकाबले हुए। लीग चेयरमैन डा जयंत सेन ने बताया कि स्पॉटी डोक ने एस एम एस टॉरपीडो को 3-0 से,सवाई चैम्प ने थापर टाइटन्स को 2-1 से, हॉप हॉस्पिटल ने रेटिना रेकुटीयर्स को 2-1 से व मलोत हॉस्पिटल ने केडिया हॉस्पिटल को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने बताया की अन्य रोमांचक मुक़ाबलो में सैंडी स्ट्राइकर ,आरजे 13 किंग्स, फोर्टिस हॉस्पिटल, के सी मेमोरियल जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुँचे। लीग के चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया की जूनियर वर्ग में केडिया हॉस्पिटल व एओएसआईएच हॉस्पिटल ने अपने मैचेस जीते व सेमीफ़ाइनल में पहुँचे। लीग चीफ कॉर्डिनेटर डॉ सचिन खट्टर ने बताया की दबंग वर्ग में डॉ हेमंत ने डॉ महाक्षित को 6-4 से, डॉ आदित्य ने डॉ आधार को 6-1 से व डॉ रुचिर ने डॉ आई डी को 7-6 से ट्राइब्रेकर में हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ ओम मील ने बताया की मलंग जोड़ी में डॉ बिनावरा-डॉ राजेंद्र ने डॉ हर्षवर्धन-डॉ नरेंद्र को हराया। मलंग सिंगल में डॉ रामचंदानी ने डॉ नीरज को 6-3 से हराया।

स्व. निर्मल सेठी की तृतीय पुण्य स्मृति दिवस को जैन धरोहर दिवस के रूप में मनाया

जयपुर । भट्टारकजी की नसियां में शनिवार को श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. निर्मल कुमार सेठी की तृतीय स्मृति दिवस को जैन धरोहर दिवस के रूप में मनाया गया। श्रावक रत्न, कर्म योगी, देव शास्त्र गुरु के उपासक, प्राचीन तीर्थ जीर्णोधारक निर्मल कुमार सेठी की तीसरी पुण्य स्मृति दिवस पर विनयांजलि सभा रखी गई। जिसमें समाजजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सेठी द्वारा समाज के प्रति किए गए उपकारों को याद किया। कार्यक्रम में समाजसेवी विनीत चांदवाड ने चित्र अनावरण किया, तीर्थ संरक्षणी महासभा की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद जी पहाड़िया ने दीप प्रज्वलन किया, मंगलाचरण कमलेश कुमार बोहरा ने किया। राजेंद्र अनोपडा ने मंगल गीत गाया तथा महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष कमलबाबू जैन ने बाबूजी स्वर्गीय निर्मल कुमार सेठी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कमलबाबू जैन ने बताया कि परम श्रद्धेय श्री सेठी जी ने महासभा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था, उन्होंने महासभा के लिए 40 वर्षों तक तन, मन, धन से निस्वार्थ भावना से काम किया और महासभा को पुनर्जीवित कर समाज को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। तीर्थ जीर्णोधार कमेटी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद पहाड़िया ने कहा कि सेठीजी ने संपूर्ण भारतवर्ष में पुरातत्व के करीब 700 प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया था और राजस्थान में सबसे ज्यादा करीब 150 मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया था। महासभा के मंत्री तथा जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के अध्यक्ष भागचंद बाकलीवाल मित्रपुरा ने अवगत कराया कि डॉक्टर शुभम मजूमदार सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ़ इंडिया भारत सरकार द्वारा सेठी द्वारा सम्माहित एवं देश हित में किए गए कार्यों हेतु उनके स्मृति दिवस को उन्हें समाज धरोहर दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया । महासभा के प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आपने सारे जैन समाज का गौरव बढ़ाया, आपने संपूर्ण जैन समाज को जो योगदान दिया है उसे भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में इमली फाटक जैन समाज के अध्यक्ष पदम बिलाला, संजय काला, कमलेशजैन पांड्या, राजेंद्र जैन ,कमलचंद जैन सेवावाले, विनीत चांदवाड, राजेंद्र कुमार अनोपडा, पवन जैन, धन कुमार लुहाडिया, वीरेंद्र कुमार जैन, शिखर चंद जैन साईवाड़ मौजूद थे।

महारानी फार्म में हनुमत कथा शुरू

जयपुर । हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में 108 हनुमत कथाओं की कड़ी में 96वीं कथा शनिवार को महारानी फार्म के महावीर नगर सैकंड स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में प्रारंभ हुई। व्यासपीठ से अकिंचन महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि रामचरितमानस तथा हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई तुलसीदास द्वारा रचित है। जिनके पाठ करने से जातक की सभी समस्याओं का समाधान होता है। कुछ लोग रट्टा मारकर इसे पढ़ते है। यदि अर्थ समझकर इसे दिल से पढ़ा जाए तो इसकी एक-एक चौपाई जीवन के हर क्षेत्र मे सफलता देने वाली है। भगवान राम के प्रिय भक्त हनुमान जी को अष्ट सिद्धि और नौ निधि के दाता के रूप में जाना जाता है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा वीर हनुमान को प्रसन्न करने के लिए सबसे सरल और शक्तिशाली स्तुति है। इसकी हर चौपाई अलग अलग रूप से शक्तिशाली है। जीवन की हर समस्या का समाधान हनुमान चालीसा द्वारा किया जा सकता है।

8 वर्षीय हिमांशु 2 घंटे के लिए बना गांधीनगर थाने का इंचार्ज

थैलेसीमिया से बीमार बच्चे की पुलिस अफसर बनने की इच्छा थी

जयपुर (कासं)। आठ वर्षीय हिमांशु सैनी 2 घंटे के लिए गांधीनगर थाने का सीआई बना। इस दौरान हिमांशु को पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर सीआई की कुर्सी पर बैठाया गया और थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ उसकी मुलाकात कराई गई। हिमांशु ने थाने के पुलिसकर्मियों के साथ चाय पी और उनकी ड्यूटी और काम को लेकर कुछ सवाल पूछे। करीब 2 घंटे सीआई की कुर्सी पर बैठने के बाद हिमांशु काफी खुश नजर आया।

गांधी नगर सीआई उदयभान यादव ने बताया कि हिमांशु सैनी (8) पुत्र राजू सैनी बांदीकुई का रहने वाला है। हिमांशु को थैलेसीमिया की बीमारी है, जिसके कारण उसे हर महीने जयपुर आना पड़ता है। हिमांशु के पिता ने 1 दिन पहले मुझे बताया कि हिमांशु पुलिस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन वह काफी बीमार रहता है। अगर उसे एक बार पुलिस की वर्दी पहनने और थाने में आने का मौका दिया जाए तो उसे बहुत अच्छा लगेगा। सीआई ने बताया कि बच्चे की इच्छा जानकार मैंने उसके पिता को शनिवार को हिमांशु को लाने के लिए कहा। इस पर आज शाम 4 बजे हिमांशु का परिवार उसको लेकर थाने लेकर पहुंचा। यहां पर उसे पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर उसे मैंने अपनी कुर्सी पर बैठाया। हिमांशु सीआई की कुर्सी पर बैठकर बहुत खुश नजर आया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भी उसका मनोबल बढ़ाने का पूरा प्रयास किया।

> ■ बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए उसके पिता ने डरते-डरते यह बात गांधी नगर थानाधिकारी से की तो उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया

हिमांशु के पिता राजू सैनी ने बताया कि थाने में पहुंचकर पुलिस की वर्दी पहनना, पुलिसकर्मियों के बीच रहना और सीआई की कुर्सी पर बैठना हिमांशु के लिए सपना सच होने जैसा था। हिमांशु अपनी बीमारी के बारे में जानता है। वह कई बार पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा जाहिर करता है। बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए बड़ी हिम्मत कर गांधीनगर थाने पहुंचा।

यहां सीआई उदयभान को हिमांशु की बीमारी के बारे में बताया और उसकी पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा के बारे में भी बताया। हिमांशु की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने तुरंत हां बोल दी और हिमांशु को आज थाने लाने के लिए कहा। आज हम हिमांशु को लेकर थाने पहुंचे तो उसके साथ पुलिस अधिकारी जैसा व्यवहार किया गया। पुलिसकर्मियों के बीच आकर, पुलिस की वर्दी पहनकर और सीआई की कुर्सी पर बैठकर हिमांशु काफी खुश नजर आया। उसकी खुशी देखते ही बन रही थी।

गौवंश को गर्मी और लू से बचाने के लिए एडवाइजरी

जयपुर । गोपालन विभाग द्वारा गर्मी तथा लू के प्रकोप से गौशालाओं में संधारित गौवंश को बचाने के लिए विभाग की ओर से विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें विशेष रूप से पशुओं के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था किए जाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में संचालित गौशालाओं में संधारित गौवंश के संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं और इनके संचालन के लिए इन्हें अनुदान भी दिया जाता है। इन गौशालाओं का संचालन स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा दानदाताओं, भामाशाहों और जनसहयोग के माध्यम से किया जाता है। गौशालाओं के उचित रख रखाव और गौवंशों की देखभाल के लिए गोपालन विभाग द्वारा समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाती है।

गोपालन विभाग की निदेशक डॉ. शालिनी शर्मा ने बताया कि बदलते हुए मौसम में हर बार गौशालाओं को इस तरह के दिशा निर्देश जारी किए जाते हैं। अभी गर्मी के मौसम में बढ़ते हुए तापमान और संभावित लू के प्रकोप से गौवंश को बचाने के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की जिसमें गौवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी, चारा, भूसा एवं अन्य पशु आहार, गौवंश को ताप एवं लू से बचाने के लिए छाया आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश गौशालाओं को जारी किए गए हैं। साथ ही उन्हें बीमार, अशक्त एवं गर्भवती गौवंश की उचित देखभाल एवं आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय उपचार की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

> ■ गौशालाओं में विशेष रूप से स्वच्छ जल और पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था करने के निर्देश

उन्होंने बताया कि मृत गौवंश के शव का निस्तारण यथाशीघ्र सुरक्षित एवं सम्मानजनक तरीके से किया जाना अत्यंत आवश्यक है जिससे गर्मी के कारण बीमारी का खतरा न हो इसके लिए भी गौशालाओं को लिखा गया है।

एस.एम.एस. में एनेस्थीसिया विभाग में सुपरस्पेशलिटी न होने से सैकड़ों स्टूडेंट्स को जाना पड़ रहा है राजस्थान से बाहर

जयपुर । सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में एनेस्थीसिया विभाग में सुपरस्पेशलिटी की सुविधा न होने से सैकड़ों स्टूडेंट्स को मजबूरन राजस्थान से बाहर करोड़ों रुपए खर्च कर डीएम करने जाना पड़ रहा है। ऐसे कॉलेज प्रशासन की ओर से भी कोई प्रयास नहीं किए जा रहे है।

देश के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में शुमार सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में जहां आज रोबोटिक सर्जरी से लेकर ऑर्गन ट्रांसप्लांट करना सामान्य बात हो चुकी है। वहीं हर विभाग के लिए अपना एक सुपरस्पेशलिटी और नई बिल्डिंग बन रही है। अकेले एसएमएस में 8 से 10 सुपरस्पेशलिटी विभाग है। इनमे कार्डिक सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, ऑर्गन ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक्स सर्जरी और ओंको सर्जरी विभाग प्रमुख है। सीनियर रेजीडेंट डॉ. अमित यादव ने बताया कि अफसोस एसएमएस मेडिकल कॉलेज में इनसे संबंधित एनेस्थीसिया सुपरस्पियलटी विभाग ही नहीं है। महीने में कम से कम लगभग 250 से 300 सर्जरी अकेले एसएमएस में होती है। हर साल राजस्थान से लगभग 250 रेसिडेंट्स एनेस्थीसिया विभाग से एमडी करते है, लेकिन उन्हें राजस्थान में डीएम करने का अधिकार ही नहीं है। अगर एनेस्थीसिया विभाग में सुपरस्पेशलिटी न होने के कारण जब भी यहां कोई ऑर्गन ट्रांसप्लांट होता है तो एनेस्थीसिया डॉक्टर्स की टीम भी दिल्ली से बुलानी पड़ती है। इस सब के बावजूद भी कॉलेज प्रशासन ने एनेस्थीसिया विभाग में सुपरस्पेशलिटी डीएम की सीट्स लाने तक की भी कभी चर्चा नहीं की। राजस्थान के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में एनेस्थीसिया विभाग में डीएम सीट्स की ना कभी सरकार की तरफ पहल हुई ओर न ही कभी कॉलेज प्रशासन की तरफ से दिलचस्पी दिखाई गई है। कुछ प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सुपरस्पेसलिटी विभाग जरूर है, लेकिन वहां की फीस करोड़ों रुपए है। जिसे भरने में स्टूडेंट्स असमर्थ होते हैं। इस कारण हर साल सैकड़ों छात्र एनेस्थीसिया विभाग से पीजी करने के बाद राजस्थान में सरकारी कॉलेज में डीएम करने का कोई स्कोप ही नही है। कोविड काल में भी एसएमएस में 5 से 7 नए एडवांस आईसीयू शुरू किए गए है, लेकिन इतने बड़े कॉलेज में क्रिटिकल केयर की अलग से कोई ब्रांच तक नही है। न ही आईसीयू कोर्स का डीएम या डिप्लोमा ब्रांच का कोई स्कोप है। ऐसे में पीजी करने के बाद डॉक्टर्स को मजबूरन राजस्थान के बाहर डीएम करने के लिए पलायन करना पड़ता है। डॉ. अमित यादव का कहना है कि राजस्थान में सुपरस्पेशलिटी न होने के कारण सैकड़ों डॉक्टर्स डीएम नहीं कर पा रहे है। स्टूडेंट्स की एनेस्थीसिया विभाग से रूचि कम होती जा रही है। मजबूरन उन्हें डीएम करने के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में करोड़ों रुपए देने पड़ रहे हैं।

> ■ यहां ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए एनेस्थीसिया डॉक्टर्स की टीम दिल्ली से आती है